रूपरेखा

- प्रस्तावना
- व्यक्ति अध्ययन क्या है
- परिभाषा
- व्यक्ति अध्ययन के प्रकार
- व्यक्ति अध्ययन की विशेषता
- समुदाय का व्यक्तिक अध्ययन या व्यक्तिकरण
- व्यक्ति अध्ययन के गुण व दोष
- निष्कर्ष

प्रस्तावना

बीसेन्ज एवं बीसेन्ज के शब्दों में "वैयक्तिक अध्ययन गुणात्मक विश्लेषण का एक विशेष स्वरूप है जिसके अन्तर्गत किसी व्यक्ति, परिस्थिति अथवा संस्था का अत्यधिक सावधानीपूर्वक और पूर्ण अवलोकन किया जाता हैं।

गिडिंग्स के अनुसार "शोध के अन्तर्गत विषय केवल मानव प्राणी हो सकता है, या उसके जीवन का एक उपाख्यान अथवा विचारपूर्ण रूप से यह राष्ट्र, सामज्रज्य अथवा इतिहास का एक गुण हो सकता है।

व्यक्ति अध्ययन क्या है

वैयक्तिक अध्ययन पद्धति एक गहरी अध्ययन पद्धति है। इसके अन्तर्गत एक इकाई के विषय मे सम्पूर्ण ज्ञान प्राप्त करने का प्रयास होता है। वैयक्तिक अध्ययन विधि सामाजिक अनुसंधान की प्राचीन पद्धति है। दुसरे शब्दों मे वैयक्तिक अध्ययन का अर्थ, वैयक्तिक अध्ययन पद्धति किसी व्यक्ति, संस्था या समुदाय के गहन अध्ययन से संबंधित है। इस पद्धति मे किसी एक इकाई को लेकर उसका गहराई से अध्ययन किया जाता है।

परिभाषा

गुडे एवं के शब्दों में " वैयक्तिक अध्ययन सामाजिक तथ्यों को संगठित करने की एक ऐसी विधि है जिससे अध्ययन किये जाने वाली सामाजिक इकाई की एकात्मक प्रकृति की पूर्णतया रक्षा हो सकती है।"

व्यक्ति अध्ययन की विशेषता

1. व्यक्तिगत अध्ययन - व्यक्तिगत अध्ययन का तात्पर्य यह है कि शोधकर्ता इकाई को लेकर शोध करता है। इकाई का व्यक्तिगत स्तर मे अगल से अध्ययन किया जाता हैं। यह इकाई व्यक्ति, संस्था जाति अथवा कोई भी समुदाय हो सकता हैं।
2. ऐतिहासिक अध्ययन- इसके अन्तर्गत अध्ययन की जाने वाली इकाई का । भूतकाल से वर्तमान काल तक अध्ययन होता हैं।
3. एक या कुछ इकाइयों का अध्ययन- वैयक्तिक अध्ययन एक या कुछ इकाइयों का अध्ययन होता हैं। इन इकाइयों मे व्यक्ति, परिवार, समूह या जाति आदि हो सकते हैं।

4. गहन अध्ययन- इस पद्धति की सहायता से समस्या से सम्बंधित इकाई का अति गहन सूक्ष्म अध्ययन किया जाता है। इस पद्धति मे सभी पहलुओं का गहन अध्ययन होता हैं।
5. सीमित क्षेत्र - वैयक्तिक अध्ययन पद्धति मे एक विशिष्ट इकाई का अध्ययन किया जाता है। इकाई के इस अध्ययन की प्रकृति गहन होती है।
6. गुणात्मक अध्ययन

समुदाय का व्यक्तिक अध्ययन या व्यक्तिकरण

सामाजिक घटनाओं की प्रकृति इस प्रकार होती है कि विस्तृत अध्ययन के द्वारा उसकी वास्तविकता का पता लगाना संभव नही होता है। इसलिए उनका गहन अध्ययन करना पड़ता है। गहन अध्ययन के लिये अध्ययन की इकाइयों को सीमित संख्या मे रखना पड़ता है। इस प्रकार इस पद्धति के माध्यम से छोटे क्षेत्र के माध्यम से विशाल ज्ञान प्राप्त करने का प्रयास किया जाता हैं। समाजशास्त्र में वैयक्तिक अध्ययन पद्धति का सर्वप्रथम प्रयोग लीप्ले हर्बर्ट स्पेंसर ने किया था।

व्यक्ति अध्ययन के गुण व दोष

गुण:

गहन एवं सूक्ष्म अध्ययन। इकाई से संबंधित पूर्ण ज्ञान। विभिन्न प्रविधियों का प्रयोग। प्रारंभिक अन्वेषणों में उपयोगी। उपकल्पनाओं का निर्माण। व्यक्तिगत अनुभव में वृद्धि। दीर्घकालीन घटनाओं एवं प्रक्रियाओं का अध्ययन। विकास संबंधी अध्ययनों में सहायक। व्यक्तित्वों का अध्ययन। वर्गीकरण एवं तुलना।

दोष

अत्याधिक सीमित अध्ययन। दोष पूर्ण प्रलेखों पर निर्भरता। पक्षपात की समस्या। प्रतिचयन (निदर्शन) का अभाव। अत्यधिक व्ययपूर्ण पद्धति। परीक्षण संबंधी कठिनाइयाँ।

Thankyou